101

301(DG)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

खण्ड – क

1. (क) 'भाषायोगवाशिष्ठ' के लेखक हैं

(i) 'गंग' कवि

(ii) रामप्रसाद 'निरंजनी'

(iii) दौलतराम

(iv) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द । 1

(ख) भारतेन्दुयुगीन लेखक नहीं हैं

(i) बालकृष्ण भट्ट

(ii) पं० प्रतापनारायण मिश्र

(iii) माखनलाल चतुर्वेदी

(iv) किशोरी लाल गोस्वामी । 1

(ग) 'शेखर : एक जीवनी' किसकी रचना है ?

(i) नागार्जुन

(ii) मुक्तिबोध

(iii) 'अज्ञेय'

(iv) रामचन्द्र शुक्ल । 1

modelpaper.info

(घ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक हैं

(i) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ii) श्याम सुन्दर दास

(iii) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'

(iv) कुबेरनाथ राय ।

(ङ) 'आवारा मसीहा' की विधा है

(i) उपन्यास

(ii) जीवनी

(iii) संस्मरण

(iv) यात्रावृत्त ।

2\. (क) 'खड़ी बोली' का प्रथम महाकाव्य है

(i) 'कामायनी'

(ii) 'प्रियप्रवास'

(iii) 'राम की शक्तिपूजा'

(iv) 'साकेत' ।

(ख) छायावाद की समय सीमा है

(i) 1918 - 1936 ई० तक

(ii) 1915 - 1930 ई० तक

(iii) 1921 - 1940 ई० तक

(iv) 1900 - 1936 ई० तक ।

(ग) 'हम राही नहीं, राहों के अन्वेषी हैं' किसने कहा था ?

(i) धर्मवीर भारती ने

(ii) 'अज्ञेय' ने

(iii) नामवर सिंह ने

(iv) 'निराला' ने ।

(घ) 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' काव्य-पंक्ति के रचनाकार हैं

(i) मीराबाई

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) महाश्वेता देवी

(iv) सुभद्रा कुमारी चौहान । 1

(ङ) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' रचना की विधा है

(i) उपन्यास

(ii) निबन्ध

(iii) कहानी

(iv) काव्य । 1

3. निम्नलिखित गद्यांश का सन्दर्भ देते हुए नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 + 2 + 2 = 10

पुरुषार्थ वह है जो पुरुष को सप्रयास रखे, साथ ही सहयुक्त भी रखे । यह जो सहयोग है, सच में पुरुष और भाग्य का ही है । पुरुष अपने अहं से वियुक्त होता है, तभी भाग्य से संयुक्त होता है । लोग जब पुरुषार्थ को भाग्य से अलग और विपरीत करते हैं तो कहना चाहिए कि वे पुरुषार्थ को ही उसके अर्थ से विलग और विमुख कर देते हैं । पुरुष का अर्थ क्या पशु का ही अर्थ है ? बल-विक्रम तो पशु में ज्यादा होता है । दौड़-धूप निश्चय ही पशु अधिक करता है । लेकिन यदि पुरुषार्थ पशु-चेष्टा के अर्थ से कुछ भिन्न और श्रेष्ठ है, तो इस अर्थ में कि वह केवल हाथ-पैर चलाना नहीं है, न क्रिया का वेग और कौशल है, बल्कि वह स्नेह और सहयोग की भावना है ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) पुरुषार्थ किसे कहते हैं ?

(iv) पुरुष और पशु में क्या अन्तर है ?

(v) पुरुषार्थ किस प्रकार दिखाई देता है ?

अथवा

प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है । असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प देवता की होती थी । इसे 'मदनोत्सव' कहते थे । महाराजा भोज के 'सरस्वती-कण्ठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता है । 'मालविकाग्निमित्र' और 'रत्नावली' में इस उत्सव का बड़ा सरस-मनोहर वर्णन मिलता है । राजघरानों में साधारणतः रानी ही अपने सनूपुर चरणों के आघात से इस रहस्यमय वृक्ष को पुष्पित किया करती थी । कभी-कभी रानी अपने स्थान पर किसी अन्य सुन्दरी को नियुक्त कर दिया करती थीं । कोमल हाथों में अशोक-पल्लवों को कोमलतर गुच्छ आया, आलक्तक से रंजित नूपुरमय चरणों के मृदु आघात से अशोक का पाद देश आहत हुआ – नीचे हल्की रूनझुन और ऊपर लाल फूलों का उल्लास ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'मदनोत्सव' किसे कहते थे ?

(iv) किन ग्रन्थों से इस उत्सव की जानकारी मिलती है ?

(v) 'आलक्तक' एवं 'नूपुरमय' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

4. पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 2 = 10

दुःख की पिछली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभातः
एक परदा यह झीना नील
छिपाये है जिसमें सुख गात ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप
जगत की ज्वालाओं का;
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'विकसता' तथा 'अभिशाप' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

(iv) श्रद्धा किसके हताश मन को प्रेरणा दे रही है ?

5.

400

(v) 'जगत् की ज्वालाओं का भूल' से कवि का क्या आशय है ?

अथवा

शान्त, स्निग्ध ज्योत्सना उज्ज्वल ।
अपलक अनंत नीरव भू-तल !
सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी हैं श्रांत, क्लांत, निश्चल ।
तापस-बाला-सी गंगा कल-निर्मल, शशि-मुख से दीपित मृदु-करतल,
लहरें उर पर कोमल कुंतल ।
गोरे अंगों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुन्दर
चंचल अंचल-सा नीलाम्बर !
साड़ी की सिकुड़न-सी जिस पर, शशि की रेशमी-विभा से भर
सिमटी हैं वर्तुल मृदुल लहर !
चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए ।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
(iii) प्रस्तुत पद्यांश में किसका चित्रण किया गया है ?
(iv) बालू के मध्य गंगा बहती हुई कैसी प्रतीत हो रही है ?
(v) कवि 'नौका विहार' के लिए कब निकलता है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का जीवनी-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल
(ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (शब्द-सीमा **80** शब्द) 3 + 2 = 5

(i) जयशंकर प्रसाद
(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(iii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

6. कहानी तत्त्वों के आधार पर 'पंचलाइट' **अथवा** 'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए । (शब्द-सीमा **80** शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए : (शब्द-सीमा **80** शब्द) 5

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कृष्ण' के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की घटना संक्षेप में लिखिए ।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाएँ लिखिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ग) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के प्रधान नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की किसी एक घटना का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।

(घ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

(ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ उद्घाटित कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर 'असहयोग आन्दोलन' की घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

संस्कृत साहित्यस्य आदिकविः वाल्मिकीः, महर्षि व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नै अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया, वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्य गौरवम् अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती इति ।

अथवा

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंह राजानमकुर्वन् । ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते' तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासो नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः इति उक्तवन्तः ।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे - श्लाघाविपर्ययः ।
गुणा गुणानुबन्धित्वात् तस्य सप्रसवा इव ।।

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती ।
तस्या हिं मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितानि ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में उत्तर दीजिए : 2 + 2 = 4

(i) संस्कृत-साहित्यस्य आदिकविः कः अस्ति ?

(ii) कात्यायनी कस्य पत्नी आसीत् ?

(iii) हंसपोतिका कस्य दुहिता आसीत् ?

(iv) दयानन्दस्य गुरुः कः आसीत् ?

(v) पञ्चशीलं कीदृशः सिद्धान्ताः ?

10. (क) 'शृंगार' रस **अथवा** 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अलंकार **अथवा** 'अतिशयोक्ति' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द **अथवा** 'रोला' छन्द की परिभाषा और एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) बेरोजगारी की समस्या और समाधान ।

(ii) साहित्य समाज का दर्पण है ।

(iii) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन ।

(iv) विज्ञान के चमत्कार ।

(v) निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल ।

12. (क) (i) 'गायकः' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) गै + अकः

(ब) गाय + अकः

(स) गय + अकः

(द) गायक + कः । 1

(ii) 'रामश्शेते' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) रामश + शेते

(ब) रामस् + शेते

(स) रामः + शेते

(द) रामश् + शेते । 1

(iii) 'उच्चारणम्' में सन्धि है

(अ) व्यंजन सन्धि

(ब) यण् सन्धि

(स) स्वर सन्धि

(द) विसर्ग सन्धि । 1

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) यथाशक्ति

(ii) नीलकमलम्

(iii) चन्द्रशेखरः ।

13. बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबन्धक को आवेदन / प्रार्थना पत्र लिखिए । 2 + 6 = 8

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए आवेदन पत्र / प्रार्थना पत्र लिखिए ।

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी **एक** शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए :

(अ) दत्तः

(ब) पूजितः

(स) स्नातः। 1

(ii) निम्नलिखित में से किसी **एक** शब्द का प्रत्यय लिखिए :

(अ) पठनीयः

(ब) धनवान्

(स) श्रीमती । 1

(ख) रेखांकित पदों में से किसी **एक** पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) ग्रामम् अभितः ।

(ii) पादेन खञ्जः ।

(iii) रामेण सह ।